SYLLABUS

HINDI (HONS./PG)

CODE – 15

(1) हिन्दी साहित्य का इतिहास

(क) प्रवृत्तिमूलक अध्ययन : आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिक काल।

(ख) उल्लिखित चारों कालों के सामाजिक सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य।

(ग) प्रत्येक कालों के प्रमुख कवियों और कवियों के सामन्य परिचयात्मक अध्ययन।

(घ) हिन्दी भाषाका विकास, हिन्दी की बोलियाँ।

(ङ) राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्कभाषा में अंतर।

(2) **मध्ययुगीन काव्य : कवियों के काव्यात्मक सामाजिक, सांस्कृतिक विश्लेषण के परिप्रेक्ष्य में :**

(क) कबीरदास : सं : पारसनाथतिवारी कबीरवाणी-पद आंरभिक १० साखी आरंभिक २५

(ख) सुर सुषमा : सं नंददुलारे वाजपेयी : पद संख्या 1, 5, 12

(ग) विनय पत्रिका : तुलसीदास : पद संख्या 90, 101, 102, 105, 111, 112, 114, 162, 167, 172.

(घ) बिहारी दोहा– 1, 9, 11, 13, 15, 16, 22, 24, 29, 44, 58, 72, 73, 77, 80, 93, 97, 103, 112.

(3) **आधुनिक काव्य : कवियों की प्रमुख रचनाओं के काव्यात्मक और विश्लेषणात्मक** विवेचन : प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी, अजेय, नागार्जुन।

(4) **नाटककार के रूप में–** जयशंकर प्रसाद, उपेन्द्रनाथ अश्क, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश की कृतियों का विशेष परिचय

(5) **निबंधकार के रूप में–** प्रेमचन्द, भीष्म साहनी, रेणु आदि।

(6) **उपन्यासकार के रूप में–** जयशंकर प्रसाद, प्रेमचंद, यशपाल, जैनेन्द्र, अज्ञेय, मोहन राकेश, राजेन्द्र यादव, मनु भंडारी, रेणु, भीष्म साहनी की कहानीकला

(7) **व्याकरण भाग :** कारक, संधि, समास, वाच्य, सर्वनाम, विशेषण के भेद, उपसर्ग, प्रत्यय, क्रिया, काल, मुहावरा, अनुवाद कला।